University in News on 20 May 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

दोबारा दाखिले पर सात साल में पूरा करना होगा स्नातक

लविवि ने बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कॉलेजों में स्नातक कर रहे विद्यार्थी पढ़ाई बीच में छोड़ने की सूरत में सात साल की अवधि में अपनी डिग्री पूरी कर सकेंगे। सामान्य तौर पर विद्यार्थी को पाठ्यक्रम की वास्तविक अवधि के अलावा दो अतिरिक्त वर्ष मिलते हैं, पर अब पाठ्यक्रम बीच में छोड़कर दोबारा दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को एक साल का अतिरिक्त मौका मिलेगा। कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं।

यह आदेश नई शिक्षा नीति के आधार पर दिया गया है। नई शिक्षा नीति में पढ़ाई छोड़ने वाले विद्यार्थियों को किसी भी स्तर पर दोबारा दाखिला लेने की सुविधा दी गई है, लेकिन दोबारा दाखिला लेकर कोर्स पूरा करने के लिए स्नातक की पढ़ाई अधिकतम सात साल में पूरी करनी होगी। पहले साल की परीक्षा सफलतापूर्वक पास करके पढ़ाई छोड़ने पर विद्यार्थी को डिप्लोमा और दो साल की परीक्षा पास करके कोर्स छोड़ने पर उसे एडवांस डिप्लोमा दिया जाएगा। तीसरे साल की परीक्षा पास करने पर उसे डिग्री मिलेगी। चौथे साल की परीक्षा सफलतापूर्वक पास करने वाले विद्यार्थियों को डिग्री विद रिसर्च की उपाधि मिलेगी। चार साल की स्नातक डिग्री वाले विद्यार्थियों को पीजी की पढ़ाई सिर्फ एक ही साल करनी होगी। बाकी विद्यार्थियों के लिए पीजी पहले की तरह दो साल का ही होगा।

नई शिक्षा नीति के तहत अतिरिक्त मिला एक साल

04 साल की स्नातक डिग्री वाले विद्यार्थियों को पीजी की पढ़ाई सिर्फ एक ही साल करनी होगी

विवि से तय होंगे संबद्ध कॉलेजों में चौथे साल के दाखिले

लविवि में चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम शुरू हो चुका है। नई शिक्षा नीति के तहत पहली बार दाखिला लेने वाले विद्यार्थी इस साल तीसरे साल की पढ़ाई पूरी करेंगे। इस तरह से उनके पास पहली बार चौथे साल में दाखिला लेने का मौका होगा।

- लविवि ने चौथे साल में दाखिला लेने के लिए कई शर्तें भी तय की हैं। इसमें 7.5 सीजीपीए से ज्यादा ग्रेड लाने वाले विद्यार्थी भी चौथे साल में दाखिले के लिए अर्ह हैं। विवि संबद्ध कॉलेज के इंफ्रास्ट्रक्चर के आधार पर तय करेगा कि किन कॉलेजों में चौथे साल के दाखिले हो सकेंगे। इससे चौथे साल में दाखिले का अधिकार कॉलेजों को नहीं मिलेगा।

"एकेडमिक बैंक क्रेडिट (एबीसी) के तहत विद्यार्थियों के क्रेडिट सात साल तक मान्य रहते हैं। इसी के तहत स्नातक विद्यार्थियों को कोर्स छोड़कर दोबारा प्रवेश लेने के मामले में सात साल की अवधि में पाठ्यक्रम पूरा करना होगा।
– प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डीन एकेडमिक्स, लविवि

NBT PAGE 6

बदलेगी टैगोर लाइब्रेरी की सूरत, लगेगी 12 फुट ऊंची प्रतिमा

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ :एलयू में टैगोर लाइब्रेरी का मेकओवर होगा। यही नहीं ग्राउंड फ्लोर के हॉल में 10 से 12 फुट ऊंची रविंद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा लगाई जाएगी। कई अन्य बदलाव भी किए जाएंगे। वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि वर्ष 1920 में स्थापित हुई टैगोर लाइब्रेरी को अब नया रूप दिया जाएगा। इसका डिजाइन तैयार कर लिया गया है।

आर्ट्स कॉलेज के स्टूडेंट्स बनाएंगे गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा

निर्णय लिया गया है कि टैगोर लाइब्रेरी में प्रवेश करते ही स्टूडेंट्स को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर की प्रतिमा नजर आएगी। पैन कलर की यह प्रतिमा 10 से 12 फुट ऊंची होगी। इस प्रतिमा को आर्ट्स कॉलेज के स्टूडेंट्स बनाएंगे। यही नहीं हॉल में पर्दे और सोफे भी पैन कलर के लगाए जाएंगे। हॉल में विंटेज लैम्प भी लाए जाएंगे। वीसी का कहना है कि टैगोर लाइब्रेरी के मेकओवर के दौरान इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि उसकी विरासत किसी भी तरह से क्षतिग्रस्त न हो।

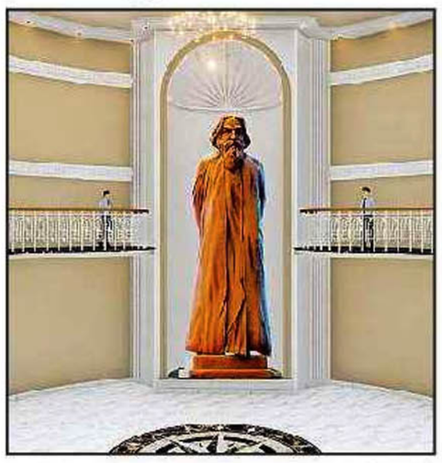

संगीत पुस्तकालय जल्द खुलेगा

एलयू की मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. केया पांडेय के मुताबिक टैगोर लाइब्रेरी में ही संगीत पुस्तकालय बनाया जाएगा। इसमें लोक गीत, फिल्में, डॉक्यूमेंट्री व अन्य गीतों का संग्रह होगा। कोई कलाकार या फिल्मकार आकर देखना या शोध करना चाहें तो कर सकता है। संगीतशास्त्र, नृवंशविज्ञान, इतिहास और सांस्कृतिक अध्ययन जैसे कई विषयों में रिसर्च और पाठ्यक्रम तैयार करने में मदद मिलेगी। संगीत लाइब्रेरी में डिजिटल उपकरणों के होने से स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन डेटाबेस और डिजिटल अभिलेखागार तक पहुंच मिल सकेगी।

राष्ट्र की नीतियां अगले पांच साल में क्या होंगी, इसके निर्धारण में हमारी भूमिका है। राष्ट्रहित की सरकार बनाने में योगदान करें और वोट डालें। – **प्रो. आलोक कुमार राय**, कुलपति लविवि

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू टीम ने जीती ऑनलाइन मूट कोर्ट प्रतियोगिता

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्विद्यालय विधि संकाय के पांच वर्षीय एलएलबी ऑनर्स के दो छात्रों ने हिमाचल प्रदेश के हिमालयन ग्रुप ऑफ प्रोफेशनल इंस्टीट्यूशंस, एचपी कॉलेज ऑफ लॉ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन मूट कोर्ट प्रतियोगिता में विजेता का स्थान प्राप्त किया। टीम को 10,000 रुपए की इनाम राशि से सम्मानित किया गया। इनमें एलएलबी पंचवर्षीय पाठ्यक्रम की छात्रा हर्षिता पटेल एवं छात्र प्रांजल पाल शामिल हैं। विधि संकाय के संकाय एवं विभागाध्यक्ष प्रो.बंशीधर सिंह, प्रो.आनंद विश्वकर्मा, लखनऊ यूनिवर्सिटी मूट कोर्ट एसोसिएशन के फैकल्टी कोऑर्डिनेटर डॉ.राधेश्याम प्रसाद, डॉ.आलोक यादव,डॉ.वरुण छछ्ढ, डॉ.नंद किशोर, डॉ.कौशलेंद्र प्रताप सिंह एवं विधि संकाय के अन्य शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी।

i-NEXT PAGE 4

बीएड इंट्रेंस एग्जाम के लिए 36 केंद्र प्रस्तावित

9 जून को आयोजित की जाएगी बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा

LUCKNOW (19 MAY): लखनऊ विश्वविद्यालय ने नौ जून को होने वाली उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2024 के लिए पांच जिलों में 36 केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं. इसकी सूची परीक्षा कराने वाले बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी को भेज दी गई है. सबसे ज्यादा लखनऊ में 18 केंद्र प्रस्तावित सूची में शामिल हैं. वहीं, हरदोई चार, सीतापुर चार, रायबरेली पांच और लखीमपुर खीरी में पांच केंद्र हैं.

30 को जारी होंगे प्रवेशपत्र

शासन ने इस बार उत्तर प्रदेश बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी को दी है. विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी सूचना के अनुसार 30 मई को अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र जारी किए जाएंगे. नौ जून को प्रदेश भर में निर्धारित केंद्रों पर परीक्षा होगी. स्कोर कार्ड जारी किए जाने की तिथि 30 जून प्रस्तावित है. राजधानी के नोडल समन्वयक डा.आरबी सिंह ने बताया कि प्रस्तावित सूची बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी को भेज दी गई है. एलयू से जुड़े जिलों में भी जनपद नोडल समन्वयक नामित किए जा चुके हैं.

HINDUSTAN PAGE 6

टैगोर लाइब्रेरी में लगेगी रवीन्द्र नाथ की प्रतिमा

एलयू

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक टैगोर लाइब्रेरी का स्वरूप बदलने जा रहा है। यह लाइब्रेरी अब नए स्वरूप में देखने को मिलेगी। इसके लिए नये स्वरूप का डिजाइन भी तैयार कर लिया गया है। टैगोर लाइब्रेरी में पांच लाख से अधिक पुस्तकें, 10 हजार से अधिक थीसिस उपलब्ध हैं। इसके साथ ही दो हजार से अधिक पाण्डुलियां, दस हजार से अधिक ऑनलाइन इलेक्ट्रानिक जर्नल और डेटा बेस उपलब्ध हैं जो विद्यार्थियों के लिए किसी खजाने से कम नहीं हैं। अब लाइब्रेरी के नए स्वरूप के अन्तर्गत विद्यार्थियों को सबसे पहले गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की विशालकाय मूर्ति देखने को मिलेगी।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि टैगोर लाइब्रेरी को नया रूप दिया जाएगा। इसका डिजाइन तैयार कर दिया गया है। जल्द ही कार्य शुरू होगा।

उन्होंने बताया कि वर्ष 1920 में स्थापित टैगोर लाइब्रेरी में अब प्रवेश करते ही छात्र-छात्राओं को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर की मूर्ति नजर आएगी। यहां 10 से 12 फीट ऊंची पैन कलर की मूर्ति को स्थापित किया जाएगा। कुलपति ने कहा कि टैगोर लाइब्रेरी को आधुनिक तौर पर जरूर तैयार किया जाएगा, लेकिन उसकी विरासत का पूरा ख्याल भी रखा जाएगा।

नए रंग रूप में दिखेगी टैगोर लाइब्रेरी, गुरुदेव टैगोर की प्रतिमा लगेगी।

छात्र तैयार करेंगे मूर्ति

लखनऊ विवि के शिल्प एवं कला महाविद्यालय के छात्रों ने कई मौको पर अपनी बेजोड़ कला का नमूना पेश किया है। टैगोर लाइब्रेरी में गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर की जो मूर्ति लगेगी उसकी जिम्मेदारी भी फाइन आर्ट के विद्यार्थियों को दी गई है। 12 फीट ऊंची मूर्ति का निर्माण कार्य जल्द ही शुरू हो जाएगा।